इमर्ज : पूर्वस्नातक सशक्तीकरण कार्यशाला

इमर्ज 2017, सीएसआईआर भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान की एक पहल

सीएसआईआर-भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ ने पूर्वस्नातकों को सशक्त करने के लिए ''इमर्ज 2017'' पर व्यावहारिक ज्ञान हेतु संस्थान में, दिनांक 18 जुलाई, 2017 को सफलतापूर्वक कार्यशालाएं प्रारंभ करने की पहल की है। पूर्व स्नातकों हेतु 'आण्विक जीवविज्ञान के क्षेत्रों, नैनोटेक्नोलॉजी, उन्नत माइक्रोस्कोपी एवं जैव सूचना विज्ञान' पर सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने का यह अनुपम अवसर रहा। डॉ पार्थसारथी रामकृष्णन, समन्वयक, ने तीन दिवसीय प्रायोगिक वर्कशॉप (18-20, जुलाई 2017) में भाग लेने वाले पूर्वस्नातक छात्रों का स्वागत किया एवं इसके साथ ही इमर्ज (ईएमईआरजीई) 2017 थीम-एस एंड टी कार्यशाला प्रारंभ हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. पूनम कक्कड़, मुख्य वैज्ञानिक, डॉ. डी. कार चौधुरी, मुख्य वैज्ञानिक एवं डॉ देवेंद्र परमार, मुख्य वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, मानव संसाधन प्रकोष्ठ, सीएसआईआर-आईआईटीआर द्वारा किया गया। माननीय पैनल सदस्यों ने प्रतिभागियों से सामाजिक आवश्यकताओं के समाधान के लिए उत्साह के साथ नवीन प्रौद्योगिकी विकसित करने का आह्वाहन किया। सभी चार कार्यशालाएं समानान्तर रूप से सीएसआईआर-आईआईटीआर वैज्ञानिकों : डॉ वी.पी. शर्मा, डॉ रविराम, डॉ राजा गोपाल, डॉ आलोक पाण्डेय, डॉ अमित कुमार, डॉ विकास श्रीवास्तव, डॉ सत्यकाम पटनायक, डॉ मनोज कुमार, डॉ नीरज कुमार सतीजा, डॉ प्रदीप कुमार शर्मा के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में हुईं एवं तकनीकी टीम में डॉ पी.एन. सक्सेना, श्री पुनीत, श्री जयप्रकाश एवं सुश्री निधि

डॉ आर. पार्थसारथी, वैज्ञानिक फेलो, सीएसआईआर-आईआईटीआर कार्यक्रम के आरंभ बिंदुओं के बारे में बताते हुए।

(बाएं से दाएं) डॉ डी. कार चौधुरी, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर-आईआईटीआर, डॉ पूनम कक्कड़, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर-आईआईटीआर, डॉ देवेन्द्र परमार, मुख्य वैज्ञानिक सीएसआईआर-आईआईटीआर छात्रों से बातचीत करते हुए।

अरजारिया थे। वर्तमान में जीवविज्ञान एवं नैनो अनुसंधान एवं तकनीकों क्षेत्र के विभिन्न उन्नत उपकरणों को छात्र प्रतिभागियों ने उत्साह से सीखा और स्वयं उपयोग किया। समापन समारोह 20 जुलाई, 2017 को आयोजित किया गया जिसमें डॉ पूनम कक्कड़, मुख्य वैज्ञानिक एवं डा. देवेंद्र परमार, मुख्य वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, मानव संसाधन सेल, सीएसआईआर-आईआईटीआर ने छात्रों को प्रमाण-पत्र दिया। विभिन्न कॉलेजों इसाबेला थोबर्न कॉलेज, नेशनल पीजी कॉलेज, इंटीग्रल विश्वविद्यालय, केन्द्रीय प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी संस्थान, लखनऊ, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर एवं पेट्रोलियम एवं एनर्जी स्टडीज विश्वविद्यालय (यूपीइएस), देहरादून के छात्रों ने भाग लिया उन्होंने मॉलिक्युलर बॉयोलॉजी, नैनोटेक्नोलॉजी, उन्नत माइक्रोस्कोपी एवं बायोइनफार्मेटिक्स के क्षेत्रों में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रयोगात्मक ज्ञान भी प्राप्त किया। डॉ आर. पार्थसारथी, समन्वयक ने कहा कि इमर्ज 2017 सेंटर फॉर इनोवेशन एंड ट्रांसलेशनल रिसर्च (सितार) के अनेक प्रयासों में से एक है। सीएसआईआर- आईआईटीआर ने इसे संकुचित करने के बजाय बहुत व्यापक, अत्यधिक मांग विषयों एवं सदैव उन्नतशील तकनीक के साथ पूर्वस्नातक छात्रों हेतु प्रारंभ किया है। यह कार्यशाला, छात्रों हेतु उनकी उच्च शिक्षा एवं शोध प्रक्रिया के दौरान सहायक होगी तथा इसके हेतु मजबूत आधारभूत प्लैटफॉर्म प्रदान किया है।

संवादात्मक सत्र के दौरान छात्रगण एवं संस्थान के संबंधित वैज्ञानिक

संवादात्मक सत्र के दौरान वैज्ञानिक एवं छात्रगण।

सीएसआईआर-आईआईटीआर फैकल्टी के साथ छात्रगण विचार-विमर्श करते हुए।

संबंधित तकनीकि सहायक, उपकरण प्रयोग के बारे में छात्रों को समझाते हुए।

संवादात्मक सत्र के दौरान वैज्ञानिक एवं छात्रगण।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के साथ एक समूह चित्र